समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

साई सुदर्शन की शानदार पारी ने बचाया करियर, यशस्वी जायसवाल के साथ रचा नया इतिहास

Publisher

Published on 10 Oct 2025

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज **साई सुदर्शन** ने आखिरकार वह कर दिखाया जिसका इंतजार लंबे समय से था। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने बेहतरीन पारी खेलकर न केवल टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकाला, बल्कि अपने **डूबते करियर को भी नई जान** दे दी।

पिछले कुछ मैचों में लगातार खराब प्रदर्शन के चलते सुदर्शन की जगह टीम में खतरे में नजर आ रही थी। आलोचकों का मानना था कि यह युवा बल्लेबाज अब टीम में टिक नहीं पाएगा, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने जिस तरह की **संयमित और समझदारी भरी पारी** खेली, उसने सबकी राय बदल दी।

साई सुदर्शन के पास पिछले कुछ टेस्ट मैचों में खुद को साबित करने के मौके थे, लेकिन वह बार-बार असफल हो रहे थे। बल्लेबाजी में तकनीकी कमी, आत्मविश्वास की कमी और बड़े स्कोर की कमी ने उनके चयन पर सवाल खड़े कर दिए थे। टीम मैनेजमेंट ने हालांकि उन पर भरोसा बनाए रखा और वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्हें एक और मौका दिया — यह मौका उनके लिए 'करो या मरो' जैसा था।

सुदर्शन ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने **सतर्क शुरुआत करते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी**, और जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, उन्होंने शानदार स्ट्रोक्स खेलकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस पारी की सबसे खास बात रही साई सुदर्शन और **यशस्वी जायसवाल** के बीच हुई शानदार साझेदारी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर **200 से अधिक रनों की पार्टनरशिप** निभाई, जिसने भारतीय टीम को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया।

जहां जायसवाल आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाजी कर रहे थे, वहीं सुदर्शन ने एक एंकर की भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी तकनीक और धैर्य से विपक्षी गेंदबाजों को थका दिया। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों के सामने उन्होंने हर शॉट को बखूबी जज किया और

गलत गेंदों को बाउंड्री तक पहुंचाया।

यह साझेदारी भारतीय क्रिकेट के भविष्य की झलक पेश कर रही थी — एक ओर युवा जोश और दूसरी ओर शांत परिपक्वता का संगम।

साई सुदर्शन की इस पारी से न केवल टीम को फायदा हुआ, बल्कि कोच और कप्तान का उन पर विश्वास भी मजबूत हुआ। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा दोनों सुदर्शन की तकनीकी क्षमता पर भरोसा रखते हैं, लेकिन वे निरंतरता की कमी से परेशान थे।

अब इस प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को राहत दी है। माना जा रहा है कि सुदर्शन को आने वाले साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में बनाए रखा जाएगा। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह पारी उनके करियर के लिए **टर्निंग पॉइंट** साबित हो सकती है।

साई सुदर्शन का सफर घरेलू क्रिकेट से शुरू हुआ, जहां उन्होंने तमिलनाडु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में आने के बाद उन्हें अपने खेल को एडजस्ट करने में समय लगा। उनकी तकनीक को लेकर सवाल उठे — खासतौर पर तेज और स्विंग गेंदबाजों के खिलाफ। लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ इस पारी में उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह लंबे फॉर्मेट में भी अपनी जगह बना सकते हैं।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने सुदर्शन पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने बाउंसर और स्लो डिलीवरी का मिश्रण किया, लेकिन सुदर्शन ने हर चुनौती का डटकर सामना किया।
उन्होंने अपनी फुटवर्क, टेम्पो और टाइमिंग के दम पर शानदार कवर ड्राइव्स और पुल शॉट्स लगाए, जिससे दर्शक खड़े होकर तालियां बजाने लगे।

यह पारी सिर्फ रन बनाने की नहीं थी — यह मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास की वापसी का प्रदर्शन थी।

पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा, “साई सुदर्शन ने जिस तरह धैर्य और जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी की है, वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। वह अब टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी बन सकते हैं।”

वहीं हरभजन सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, “यह पारी उस खिलाड़ी की है जिसने अपने करियर को खुद बचाया। साई सुदर्शन आने वाले समय में टेस्ट क्रिकेट का बड़ा नाम बन सकते हैं।”

भारतीय टीम के लिए यह टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ एक प्रयोगात्मक श्रृंखला मानी जा रही थी। कई युवा खिलाड़ियों को मौके दिए गए ताकि भविष्य की टीम तैयार की जा सके।
साई सुदर्शन ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया है और अब उनके पास खुद को एक नियमित सदस्य के रूप में स्थापित करने का सुनहरा अवसर है।

उनकी यह पारी भारतीय क्रिकेट में एक **नई उम्मीद की किरण** लेकर आई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि वह आने वाले मैचों में इस प्रदर्शन को कैसे दोहराते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.